# मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

# पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर सन्तोषा कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', ''अपना परिसर साफ हो जिसमें सबका साथ हो'' जैसे स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली की हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस–पास भी साफ–सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे। उक्त कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह, विज्ञान विद्याशाखा तथा सह आयोजन सचिव डॉ प्रमोद कुमार सिंह, कृषि विज्ञान विद्याशाखा रहे।

*जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

*जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

*जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

*प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई प्रो0 श्रुति तथा डॉ0 धर्मवीर सिंह*

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रो0 श्रुति ने बताया कि पर्यावरण रक्षा के तीन प्रमुख उपाय हैं– 3R (Reduce, Reuse, Recycle), जैव विविधता संरक्षण तथा अक्षय ऊर्जा (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा) (Renewable Energy) का उपयोग।

आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कार्यक्रम में की जाने वाली गतिविधियों से सभी को अवगत कराते हुए बताया कि इसके अन्तर्गत वृक्षारोपण, जागरुकता रैली (प्रशासनिक भवन से शैक्षणिक भवन तक), पक्षियों एवं जीव जन्तु हेतु दाना–पानी एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं शोधार्थी प्रतिभाग करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने विश्व पर्यावरण के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि प्रथम विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 1973 को ''केवल एक पृथ्वी'' थीम के साथ मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉक होम सम्मेलन के दौरान 05 जून 1972 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया था। जिसके बाद से यह प्रतिवर्ष 05 जून को मनाया जाता है।

इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह–जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके। रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ–सफाई की। सदस्यों ने परिसर में पेड़–पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

*पक्षी–जीव जंतुओं हेतु दाना पानी रखते हुए प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

पक्षी–जीव जंतुओं हेतु दाना पानी रखते हुए तथा सफाई करते हुए प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण